पाठ्यक्रम (2022-23)

विषय : संस्कृत

छठी श्रेणी

पाठ्य पुस्तक

1 संस्कृत वाक्यों का अर्थ (हिन्दी या पंजाबी भाषा में)

2 दस संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अर्थ

3 पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों पर आधारित पाँच प्रश्न, रिक्त स्थान पूर्ति

4 हिन्दी लोकोक्ति को संस्कृत में लिखना

व्याकरण

5 निम्नलिखित शब्दों के रूप सब विभक्तियों में

(क) अकारान्त पुंलिंगः– बालक, देव, नर, अज, गज, अश्व, सिंह, वानर, काक, शुक,

(ख) अकारान्त नपुंसक लिंगः– फल, वन, कमल, पत्र, पुस्तक।

6 निग्नलिखित सर्वनामों के रूप केवल प्रथमा विभिक्ति में तद् (पुं., नपुं.) युष्पद्, अस्मद् ।

7 संरव्यावाची शब्द : एक से दस तक संरव्यावाची शब्द, पुंलिंग, नपुंसक लिंग में केवल प्रथमा विभक्ति में ।

8 निम्नलिखित परस्मैपदी धातुओं के रूप केवल लट् लकार मेंः–

(क) भ्वादिगण :– भू, हस्, खेल्, चल्, चर्, पठ्, खाद्, पा(पिब्), कूज्, गर्ज्, गम्, गच्छ्, धाव्, पत्, वद्, नी(नय्) ।

(ख) तुदादिगण : लिख् मिल् सिच् (सिंच्), विश् प्रच्छ्, (पृच्छ्)

9 अनुवाद : पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों में दिए गए हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद

निर्धारित पाठ्य–पुस्तक : संस्कृत पुस्तक–6 पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित

पाठ्यक्रम (2022-23)

विषय : संस्कृत

सातवीं श्रेणी

पाठ्य पुस्तक

1 दो गद्य भागों का अर्थ (हिन्दी या पंजाबी भाषा में)

2 दो पद्यों का अर्थ (हिन्दी या पंजाबी भाषा में)

3 संस्कृत शब्दों का हिन्दी में अर्थ

4 पाठ विषय संबंधी प्रश्न, पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों के आधार पर

5 पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों में से रिक्त स्थान पूर्ति, वाक्य परिवर्तन आदि भाषा संबंधी प्रश्न

6 हिन्दी सुभषित , लोकोक्ति , सूक्ति को संस्कृत में लिखना

व्याकरण

7 स्वर संधि – दीर्घ, गुण , वृद्धि

8 निम्नलिखित शब्दों के रूप सअ विभक्तियों में

(क) इकारान्त पुंलिंग : मुनि, कवि , कपि, रवि

(ख) उकारान्त पुंलिंग : साधु , वायु , भानु , पशु , शिशु

(ग) आकारान्त स्त्रीलिंग : लता, माला, बालिका, छात्रा, रमा ।

9 नम्नलिखित सर्वनामों के रूप सब लिंगों की प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, चनुर्थी विभक्ति में:–

तद् , एतद् , किम् , अस्मद् , युष्मद् ।

10 (क) बीस तक संरव्यावाची शब्दों का ज्ञान प्रथमा विभक्ति मे

(ख) एक और द्वि के रूप तीनों लिंगों और सब विभक्तियों में

11 (क) निम्नलिखित परस्मैपदी धातुओं के रूप लट् लोट् लड्. लकारों में:–

भ्वादिगण : स्था (तिष्ठ्), दृश, (पश्य्) भू (भव्), भ्रम्, तृ, (तर्)

तुदादिगण : स्पृश्, प्रच्छ् , (पृच्छ्), क्षिप् ।

दिवादिगण : तुष् , शुष् , कुप् ।

चुरादिगण : चुर्, कथ्, भक्ष्, क्षल् ।

(ख) लृट् लकार में : चर् , चल्, गम्, धाव्, खेल्, हस्, पठ्, पत्।

12 अनुवाद : पाठ्य – पुस्तक के अभ्यासों मे दिए गए हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद

निर्धारित पाठ्य –पुस्तक : संस्कृत पुस्तक – 7 पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित